भी हैड आफ दि डिपार्टमेंट नहीं बनाया जाता हैं, जिस पर उन लोगों ने रिजेन्टमेंट शो किया है।

अध्यक्ष महोदय : इसका इस सवाल से ताल्लुक नहीं है। आप ने पूछा है कि नेपाल को कितनी मदद दी गई है। उसका जवाब दे दिया गया है। अगर आप प्रोफेसर्ज वगैरह के बारे में पूछना चाहते हैं, तो उसके लिए नोटिस दीजिए।

श्री मूलचन्द डागा : मंत्री महोदय को मालूम होगा कि चीन और नेपाल के बीच में काटन के बारे में नया समझौता होने जा रहा है। (**व्यवधान**) हो गया है। मैं यह जानना चाहता हूं कि जब चीन नेपाल को अपना मित्र बना कर उसको हिन्दुस्तान से अलग कर रहा है, तो क्या सरकार का इरादा कोलम्बो प्लान और आर्थिक सहायता के कार्यक्रम में कोई परिवर्तन करने का है।

श्री सुरेन्द्रपाल सिंह : यह तो हमें मालूम है कि चीन और नेपाल के बीच में काफी अच्छे सम्बन्ध हैं, लेकिन उसके मानी ये नहीं हैं कि उस का कोई प्रभाव हमारे और नेपाल के सम्बन्धों पर पड़ रहा है। नेपाल के साथ हमारे अच्छे सम्बन्ध हैं, दोस्ताना ताल्लुकात हैं। जो कुछ सहायता नेपाल हम से मांगता है, यदि हम वह दे सकते हैं और देना उचित समझते है, तो देते हैं। हमको मालूम हुआ है कि चाइना की एक सरवे टीम तराई के एरिया में काटन के सरवे के लिए जा रही है। इसके बारे में हमने पूरी सूचना अपनी एम्बैसी की मार्फत मंगाई है। उसके आने के बाद हम इस बारे में कुछ कह सकेंगे।

श्री राम सहाय पांडे : भारत की ओर से नेपाल को उसके विकास के लिए आर्थिक सहयोग दिया जा रहा है। क्या यह सच है कि यहां के प्राईवेट सैक्टर के कुछ उद्योगपतियों ने नेपाल में उद्योगों की स्थापना की है, लेकिन उनके बारे में नेपाल कोई अच्छी राय नहीं रखता है, क्योंकि उनकी परफार्मेन्स बहुत पूअर है?

श्री सुरेन्द्रपाल सिंह : इस बारे में मेरे पास कोई सूचना नहीं है। अगर माननीय सदस्य नोटिस दें, तो मैं मालूम करके बता सकता हूं।

श्री रामचन्द्र विकल : मंत्री महोदय ने बताया हैं कि नेपाल के चीन के साथ, और भारत के साथ भी, अच्छे सम्बन्ध है। क्या मंत्री महोदय इस बारे में कुछ चिन्तित हैं कि नेपाल भारत के मुकाबले में चीन के साथ ज्यादा सम्बन्ध स्थापित कर रहा है और भारत का बहुत सा माल नेपाल होकर चीन जा रहा है?

श्री सुरेन्द्रपाल सिंह : हमें मालूम है कि चीन के साथ नेपाल के सम्बन्ध हैं। लेकिन इस बारे में चिन्ता का कोई सवाल नहीं है।

Expansion of Fertilizer Factory at Gorakhpur

*1207. SHRI K. C. PANDEY : Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to state :

(a) whether the Fertilizer Factory at Gorakhpur is functioning at its maximum installed capacity and there is acute demand/ requirement for its further expansion ; and

(b) if so, the action being taken to expand it during the Fourth Five Year Plan?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI DALBIR SINGH) : (a) and (b). Production in the Fertilizer Factory at Gorakhpur was 91% of the installed capacity during the year 1969-70 and 85% during 1970-71. A scheme for increasing production by "debottlenecking" has been posed to the World Bank for financial assistance and is currently under discussion with them.

श्री कृष्ण चन्द्र पांडे : क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि 1970 में 6.8 हजार मैट्रिक टन की हानि होने के क्या कारण थे?

पेट्रोलियम और रसायन मंत्री (श्री पी० सी० सेठी) : क्या माननीय सदस्य स्टाक की कमी के बारे में पूछ रहे हैं ?—जहां तक गोरखपुर का ताल्लुक है, उसमें 1967-68 और 1968-69 में तो स्टाक में कोई कमी नहीं थी। 1969-70 में वहां कोई साढ़े आठ लाख रुपये का माल स्टाक में कम बताया गया है और इस साल भी करीब 4,514 टन की स्टाक में कमी बताई गई है, जिसकी टोटल लागत 25.5 लाख रुपये के करीब है।

श्री कृष्ण चन्द्र पंडि : गोरखपुर उर्वरक कारखाने का जब निर्माण हुआ उस समय यह विचार था कि इसके निर्माण में पूर्वांचल के लोगों की भर्ती अधिक संख्या में होगी। परन्तु ऐसा नहीं हुआ। क्या अब जब कारखाने का विस्तार होगा उसमें उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल भाग के लोगों की संख्या पर ध्यान दिया जाएगा अथवा नहीं ?

श्री पी० सी० सेठी : अध्यक्ष महोदय, जहां तक भर्ती का ताल्लुक है होम मिनिस्ट्री के सर्कुलर के मुताबिक भर्ती करने के लिये सब फर्टिलाइजर फैक्ट्रीज और कोरपोरेशन को पहले भी लिखा गया था, फिर से उनको इसकी याददाश्त दिलाई गई कि इस सर्कुलर के अनुसार क्लास 3 और 4 के सब ऐजप्लाईज स्थानीय होने चाहिये। बाकी आल इंडिया सेलेक्शन पोस्ट्स जो हैं उनका सेलेक्शन आल इण्डिया मैरिट पर होता है। यदि होम मिनिस्ट्री के उस सर्कुलर का पालन नहीं हुआ है तो माननीय सदस्य मुझे जानकारी देंगे तो मैं उस सम्बन्ध में छानबीन करूंगा और आइन्दा भर्ती के संबंध में इस को सख्ती से पालन करने की कोशिश की जायगी।

श्री नाथूराम अहिरवार : मन्त्री जी ने बताया कि गृह मन्त्रालय को इस बात के लिए लिखा गया है कि फर्टिलाइजर कारपोरेशन के जितने कारखाने हैं उनमें क्लास 3 और 4 के ऐमप्लाईज स्थानीय होने चाहियें। तो क्या यह भारत के पूरे पब्लिक अन्डरटेकिंग्स के लिए लागू है ?

श्री पी० सी० सेठी : गृह मन्त्रालय को नहीं लिखा गया बल्कि गृह मन्त्रालय के आदेश के मुताबिक सब फैक्ट्रीज को आदेश दिए गए हैं कि इन का पूरी तौर पर पालन किया जाय।

श्री सतपाल कपूर : क्या मन्त्री जी रोशनी डालेंगे कि जैसे 35 लाख रु० की कमी गोरखपुर फैक्ट्री के स्टाक में हुई, इस तरह से और भी फैक्ट्रीज हैं जिन के स्टाक में पिछले दो, तीन सालों में कमी हुई है ?

श्री पी० सी सेठी : ट्रोम्बे में 1967-68 में साढ़े पांच लाख की कमी हुई, 1968-69 में 3 लाख 64 हजार की और 1969-70 में 46 लाख की।

श्री सतपाल कपूर : स्पीकर साहब अभी-अभी इन्होंने यहां ऐडमिट किया है कि कमी हुई है तो इस कमी की आप ने किस पर जिम्मेदारी डाली है ? या राइट आफ कर दिया ?

अध्यक्ष महोदय : आप ने सूचना मांगी थी, बहस नहीं मांगी। क्वेश्चन आवर में तो सूचना होती है।

Proposals for Revision of Pay Scales of Defence Services Personnel

\+

*1208. SHRI RAMSHEKHAR PRASAD SINGH :
SHRI P. GANGADEB :

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state :

(a) whether the proposals made by the Chief of the Army Staff for the revision of pay scales and better service conditions of Army personnel have also been proposed by the Chiefs of the Naval and the Air Staff ;

(b) if so, whether they have also expressed adverse service conditions under which they have to work ;